Timax®

3

मधुर हिंदी

NEP 2020
ENHANCED EDITION

अध्यापक सहायक-पुस्तिका

कक्षा- 3

पाठ- 1

मौखिक

(क) सुबह-सुबह (ख) मन की शांति व सुख (ग) सावधान/सीधा

लिखित

(क) बच्चे कर रहे हैं ताकि उनका जीवन व तन-मन सुंदर बन सके।

(ख) सुदंर रूप से जागना व सोना चाहता हैं

(ग) जगना-सोना, घर का आँगन, तन-मन, कपड़े, खाना, वाणी, बचपन, दिन-रात वे हर क्षण को सुंदर बनाना चाहते हैं।

(घ) हे ईश्वर! जीवन की प्रत्येक वस्तु को सुंदर बना दे। हर क्षण सुंदर बन जाए।

2. स्वयं करेंगे।

3. (क) (iii) प्रभु की (ख) (i) सुंदर (ग) (i) अच्छे विचार

कविता से आगे...

1. हम ईश्वर से स्वस्थ रहने की प्रार्थना करते है। प्रार्थना के पश्चात मन शांत होकर सुख का अनुभव करता है।
2. हम किसी के साथ झगड़ेगे नहीं, किसी को तंग नहीं करेंगे, सुबह जल्दी उठकर स्वयं तैयार होकर स्कूल जाएँगे। कक्षा कार्य व गृहकार्य समय पर करेंगे। गाली देना, चुगली करना त्याग देंगे।

भाषा और व्याकरण

1. (क) जागना (ख) बायाँ (ग) बुराई (घ) मृत्यु (ङ) अवगुण
2. (क) ईश्वर, परमात्मा, (ख) अंबर, वसन
   (ग) काया, वपु (घ) हृदय, दिल
   (ङ) बोली, आवाज़, सदा (च) प्रार्थना, निवेदन
3. (क) रात (ख) असुंदर (ग) आना (घ) नीचे
   (ङ) घृणा (च) असत्य (छ) गरम (ज) सरदी

पाठ-2

मौखिक

(क) जन सेवा करने वाला तथा राज काज में निपुण था

(ख) राजा की तीन रानियाँ थी।

(ग) गंगा तट पर जाकर साधु बनकर रहने लगे।

(घ) मिष्ठान की तरह प्रिय बताया था।

(ङ) सबने महारानी से आशीर्वाद लिया।

लिखित

(क) तीनों रानियों में से आप किससे सबसे अधिक प्रेम करते है?

(ख) राजा ने छोटी रानी को मिष्ठान की तरह, बीचवाली रानी को पकवान की तरह व बड़ी रानी को नमक की तरह बताया।

(ग) छोटी दोनों रानियाँ प्रसन्न हुई पर बड़ी रानी नाराज़ हो गई

(घ) यदि आप दरवाज़ा नहीं खोलेंगी तो हम साधु हो जाएँगे।
(ङ) जो आपको प्रिय हो, उसी से बात कीजिए, मुझसे दूर चले जाइए।

2. (क) निपुण (ख) राजा (ग) मिष्ठान (घ) माता जी (ङ) आशीर्वाद
3. (क) (iii) तीन (ख) (iii) बड़ी वाली (ग) (iii)महारानी ने

पाठ से आगे...

1. हाँ, ऐसा ही करते हैं और सभी को ऐसा ही करना चाहिए क्योंकि स्थिति के प्रत्येक पहलू को जानना अनिवार्य होता है तथा उचित निर्णय लिया जा सकता है।
2. हम राजा के साथ ऐसा व्यवहार कभी न करते क्योंकि हम नमक के महत्त्व को समझते हैं। नमक के बिना खाना बेस्वाद हो जाता है व सुपाच्य भी नहीं होता। उसी प्रकार राजा के जीवन में रानी का महत्त्व सबसे अधिक था।

भाषा और व्याकरण

1. (क) ठंडा (ख) रानी (ग) आकाश (घ) उत्तर
   (ङ) जवान (च) बच्चा (छ) दिन (ज) अप्रसन्न
2. (क) गंगा, तट पर मेला लगा था। (ख) बगीचे में बड़ी चहल-पहल थी।
   (ग) रेखा आज विद्यालय नहीं जाएगी।
   (घ) चित्र सुंदर था।
   (ङ) सारे देश में कल गणतंत्र दिवस मनाया जाएगा।
3. (क) उपस्थित = उप + स्थित (ख) बलवान = बल + वान
   उपकार = उप + कार पहलवान = पहल + वान
   बदकिस्तम = बद + किस्मत दिन+ इक = दैनिक
   बदनियत = बद + नियत सप्ताह + इक = साप्ताहिक
   सुपुत्र = सु + पुत्र
   सुगंध = सु + गंध

आओ कुछ करें

स्वयं करेंगे।

पाठ 3

मौखिक

(क) उसकी जड़ों ने पकड़ रखा था। (ख) पौधे का स्वभाव जिद्दी था।
(ग) आवाज़ ज़मीन के अंदर से आ रही थी।
(घ) पंख फैलाए उड़ती हुई चिड़ियों को देखा।
(ङ) जड़ों को नन्हें पौधे ने धन्यवाद दिया।

लिखित

(क) चारों तरफ खुशबू फैलाते फूल, रंग-बिरंगी तितलियाँ व हरे-भरे पेड़ों का दृश्य मनभावन था।

(ख) पौधा आसमान में उड़ने की जिद्द कर रहा था।

(ग) खिले पुष्प, रंग- बिरंगी तितलियाँ, हरे-भरे पेड़ व पंख फैलाए उड़ती हुई चिड़ियों को देखा।

(घ) जड़ों ने पौधे को समझाया कि हम तुम्हें धरती से जोड़कर रखती हैं इसी कारण तुम्हें खनिज, जल मिलता है। नहीं तो तुम सूख जाओगे। नहीं, उसे आसमान छूना था।

(ङ) वह सूख जाता है। उसका अस्तित्व समाप्त हो जाता है वह पेड़ नहीं बन पाता।

2. (क) पौधा सूख जाता व अपना अस्तित्व खो देता।

(ख) हवा, पानी, खनिज, मिट्टी तथा मनुष्य के हाथों को स्पर्श इन सबके मिलने पर ही पौधे का जीवन बच पाता है।

पेड़

(ग) पेड़ बड़ा होता हैं। उसकी जड़े धरती में मज़बूती से धँसी होती है। उस पर फूल, फल लगते हैं। मुसाफिर उसकी छाया में बैठकर आनंद का अनुभव करते हैं। पक्षी पेड़ की डालियों पर घोंसले बनाते हैं। प्रकृति का सौंदर्य बढ़ता है।

पौधा

पौधा छोटा होता है। इसे बड़ा होने के लिए हवा, पानी व खनिज तत्वों की अधिक आवश्यकता होती है। इसे भी स्वयं को ज़मीन से जोड़े रखना होता है। इस पर फल नहीं लगते आँधी, तूफान में पौधा स्वयं को बचाने के लिए संघर्ष करता है।

3. (क) (ii) जिद्दी (ख) (i) जड़ से (ग) (i) सुंदर (घ) (iii) हवा

पाठ से आगे...

1. उसके फल-फूलों से अपनी भूख मिटाता है। उसकी घनी छाया मानव को तृप्त करती है तथा मनुष्य उसकी लकड़ी से फ़र्नीचर बनाता है।
2. हाँ, हम सहमत हैं। धरती पर मानव जीवित है तो केवल इन्हीं पेड़-पौधों से ऑक्सीजन प्राप्त करके ही, हम साँस द्वारा कार्बन-डॉय-ऑक्साइड छोड़ते हैं जिससे पौधे ग्रहण कर अपने लिए भोजन का निर्माण करते है। इस तरह से वातावरण को स्वच्छ रखने में व उसे सुदंर बनाने में पेड़-पौधे अहम् भूमिका निभाते है।

भाषा और व्याकरण

1. (क) लंबी (ख) लाल (ग) ठंडा (घ) चालाक
   (ङ) मोटा (च) बड़ा-सा (छ) मीठा (ज) गुनगुनी
   (झ) सुंदर
2. (ख) वह बाहर की दुनिया देखकर हैरान हुआ।
   (ग) हम पिता जी के साथ चिड़ियाघर देखने गए थे।
   (घ) ईद का मेला देख आया।
3. (क) आकाश (ख) हरे-भरे (ग) बड़े (घ) असुंदर
   (ङ) सफ़ेद (च) बदबू (छ) अंदर (ज) छाँव

आओ कुछ करें

फूल, पत्तियाँ, फल, जड़, शाखा, तना

पाठ 4

मौखिक

(क) चमड़े पर पॉलिश करना सिखाया।

(ख) मोटे कागज़ पर कुछ उभरे बिंदु होते हैं, जिसे छूकर पढ़ा जाता है।

(ग) एक पादरी ने की थी।

(घ) 4 जनवरी, 1809 को

(ङ) कूपरवे में अपने माता-पिता के साथ रहता था।

लिखित

(क) साइमन। घोड़े पर बैठने के लिए चमड़े की जीन बनाते थे।

(ख) कुरसी बुनना व चमड़े की चप्पलें बनाना सीखा।

(ग) लुईस ने सूजे की सहायता से चमड़े पर कुछ लिखना चाहा पर चमड़ा चिकना था इस कारण सूजा फ़िसल कर लुईस की आँख में लग गया।

(घ) लुईस ने एक मोटे कागज़ पर पेंसिल से छह बिंदियों का नमूना बनाया। इस काम में वह पूरी तरह सफ़ल रहा। इन्हीं बिंदियों द्वारा बनाए गए अक्षरों को छूकर पढ़ा जा सकता था। बाद में इसे ही ब्रेल लिपि कहा गया।

(ङ) माँ ने आँख धोकर उस पर पट्टी बाँध दी।

2. क - 1
   ङ - 2
   ग - 3
   ख - 4
   घ - 5

3. क. ✗ ख. ✗ ग. ✓ घ. ✗ ङ. ✓

4. (क) (iii) 4 जनवरी, 1809 (ख) (i) साइमन ब्रेल
   (ग) (i) 6 जनवरी, 1852

पाठ से आगे

1. कुछ ऐसे कार्य जो वे स्वयं करने में अक्षम है उन कार्यों में उनकी सहायता कर सकते हैं। निर्भर करता है कि वे शरीर के किस अंग के कारण विकलांग हैं। आँखें नहीं हैं तो अपने साथ उन्हें भी स्कूल ले जाकर तथा समय-समय पर उनके छोटे-छोटे कार्य करके हम उनकी सहायता कर सकते है।
2. औज़ारों को बच्चों की पहुँच से दूर रखेंगे। नुकीले औज़ारों को ताले में बंद रखेंगे ताकि बच्चे माता-पिता के घर न रहने पर उनका इस्तेमाल न कर सकें। बच्चों को समझाकर कि वे आपके लिए किस प्रकार हानिकारक हैं।

भाषा और व्याकरण

1. स्वयं करेंगे।
2. (क) घर (ख) वर्ण (ग) प्रसिद्ध (घ) अंधा
   (ङ) प्रयोगशाला/काम करने का स्थान (च) सहायता (छ) तीखा
   (ज) सखा
3. (क) माली (ख) लुहार (ग) धोबी (घ) कुम्हार (ङ) बढ़ई
4. (क) सभी बच्चों को शिक्षा ग्रहण करनी चाहिए।
   (ख) चमड़ा जूते बनाने के काम आता है।
   (ग) घोड़ा बहुत तेज़ दौड़ता है।
   (घ) बढ़ई औज़ारों की सहायता से फ़र्नीचर बनाते हैं।
   (ङ) किसान खेतों में फ़सल उगाते हैं।

आओ कुछ करें

1. (क) हथौड़ा (ख) दराती (ग) आरी (घ) पेचकस
   (ङ) कैंची (च) छैनी (छ) खुरपी (ज) कसला
2. हिंदी - देवनागरी
   संस्कृत - देवनागरी
   पंजाबी - गुरुमुखी
   अंग्रेज़ी - रोमन
   फ्रेंच - रोमन

पाठ- 5

मौखिक

(क) भँवरा, गुन-गुन करते हुए डोल रहा है।
(ख) वसंत-ऋतु की सुबह (ग) इठला-इठला कर
(घ) फूल शाखाओं पर निकल रहे हैं।

लिखित

(क) कलियाँ खिल जाती हैं, भँवरे, गुन-गुन करते हैं और फूलों पर तितलियाँ मँडराती हैं।
(ख) जब धरती पर सूर्य की किरणें अपना जाल फैला देती है।
(ग) कानों में अमृत रस भँवरा घोल रहा है। गुनगुना कर मधुर गीत गाता है।

2. डाली-डाली पर पुष्प खिले हुए हैं। इस तरह से पूरा बाग फूलों से सज जाता है। कलियाँ खिल जाती हैं जिससे उनके ऊपर से बहने वाली हवा मस्त होकर अपनी सुगंध चारों ओर बिखरा रही है। कवि का कथन है कि यह सुगंधित वायु किस ओर बह जाए कोई नहीं जानता।
3. (क) (iii) कली (ख) (ii) गुन-गुन करके (ग) (ii) भँवरा
   (घ) (i) रैन बसेरा (ङ) (ii) फूल पर

कविता से आगे...

1. यह कविता अत्यंत सुंदर हैं। इसे पढ़कर, गुनगुना कर हम वसंत ऋतु के खूबसुरत व मनमोहक रूप को अपनी आँखों के सामने महसूस कर पा रहे हैं। बहती पवन की सुगंध को अपने-आसपास बिखरा पा रहे हैं।
2. हम सुबह जल्दी उठकर बाग में जाएँगे ताकि पक्षियों की चहचहाहट व भँवरे और तितलियों का मडँराना देख सके। उगते हुए सूर्य की प्रथम किरण को अपनी आँखों से देख उसका आनंद ले सके।

भाषा और व्याकरण

1. (क) कोयल मधुर गाती है। (स्त्रीलिंग)
   (ख) बागों में फुलवारी सजी है। (स्त्रीलिंग)
   (ग) चारों ओर सुंगधित पवन बह रही है। (स्त्रीलिंग)
   (घ) बसंत के आने पर फूल खिल जाते है। (पुल्लिंग)
   (ङ) बसंत आने पर कली-कली खिल उठी है। (स्त्रीलिंग)
2. (क) सुधा पीयूष सोम
   (ख) रश्मि अंशु मयूख
   (ग) पुष्प प्रसून कुसुम
   (घ) भू धरा धरती
   (ङ) सूर्य भास्कर दिनकर
3. काली - कोयल अमृत - कलश
   हँसमुख - सुबह हरित - पत्र
   बासंती - भोर प्रगतिशील - कविता
   नव - वसंत शुभ - दिवस
   शीतल - पवन अमृत - रस

आओ कुछ करें

1. छम-छम करती आई वर्षा
   सबके मन को भाई वर्षा
   कोयल ने मधुर धुन सुनाई
   मोर ने भी कुहु-कुहु की ध्वनि सुनाई
   कलियों ने चटक कर ली अंगड़ाई
   भँवरे की गुँजार है दी सुनाई
   रंग-बिरंगी तितलियाँ फूलों पर मँडराई
   चिड़िया ने भी खुश हो आज खिचड़ी पकाई
2. भारत ऋतुओं का देश है। समय-समय पर होने वाला ऋतु-परिवर्तन जीवन में उमंग व जोश भर जाता है। ग्रीष्म से परेशान हुए तो वर्षा ऋतु आकर हमें तृप्त कर जाती हैं पतझड़ के पश्चात वसंत आकर प्रकृति को सौंदर्य प्रदान करती हैं कलियाँ पुष्प बन जाती है। चारों ओर तितलियाँ व भँवरे मँडराते दिखाई देते हैं। रंग-बिरंगे पक्षी फूलों से

पराग चुरा यहाँ-वहाँ बिखेर कर उसे और भी सुंदर बनाते है। गुनगुनी धूप, पक्षियों का कलरव वातावरण को खुशनुमा बना देता हैं। वसंत के आने से प्रकृति का जर्रा-जर्रा मानों खुशबु से नहा उठता है। ऐसे खुशनुमा वातावरण में हर कोई अनेक-अनेक कार्यों की ओर प्रवृत होकर समाज में अपना योगदान देते हैं।

पाठ 6

मौखिक

(क) कुत्ते ने रवि को काटा।

(ख) साबुन के साथ खुले पानी का इस्तेमाल करके धोने को कहा।

(ग) स्पिरिट या डेटॉल भी लगा सकते हैं। सेनीटॉल या 'सिटेवलॉन' भी लगा सकते हैं। एक नई दवाई भी 'बेज़लकोनियम' भी प्रयोग की जा रही है।

(घ) रेबीज़ (ङ) टिटनस का

लिखित

(क) पानी से तत्पश्चात साबुन लगाकर अच्छे से धोना चाहिए।

(ख) पहले टिटनस का टीका फिर रेबीज़ से बचने के लिए टीके लगवाने चाहिए।

(ग) पानी से खूब धो लें ताकि कुत्ते की लार के कीटाणु बह जाएँ।

(घ) सावधान रहना चाहिए तथा इन्हें पकड़वाने में नगर-निगम की सहायता करनी चाहिए।

(ङ) रवि को अस्पताल ले जाने की सलाह दी।

2.

	किसने	**किससे**
(क)	गुरुजी ने	सोहेल से
(ख)	डॉ. ने	गुरु जी से
(ग)	रिंकू ने	गुरुजी से
(घ)	सोहेल ने	डॉ. साहब से
(ङ)	सोहेल ने	डॉ. साहब से
(च)	माज़िद ने	डॉ. साहब से

3. (क) (ii) रेबीज़ (ख) (iii) रवि को (ग) (i) पेरा सिटामॉल

(घ) (i) घाव को पानी से धोना चाहिए।

(ङ) (ii) काटने के फौरन बाद

पाठ से आगे

वह घर की रखवाली करता है। अनजान लोगों को देखकर भौंकने लगता है। घर के छोटे बच्चों से प्यार करता है, उनके साथ बच्चा बनकर खेलता है। इंसान का सबसे अच्छा दोस्त है। इसमें सूँघने की बड़ी क्षमता होती है इसलिए चोर, डाकुओं को पकड़वाने का काम भी करता है।

भाषा और व्याकरण

1. (क) खतरनाक (ख) घाव (ग) छोटे जीव (घ) सावधान

(ङ) उचित है! बहुत बढ़िया।

2. (क) दवाएँ (ख) कीटाणुओं (ग) बीमारियाँ (घ) चीज़ें
(ङ) दुकानें (च) अस्पतालों

3. (क) चार (ख) भयानक (ग) नई (घ) गहरा (ङ) बड़ा

आओ कुछ करें

1. मेरा कुत्ता 'पग' जाति का है।यह भूरे रंग का है इसलिए इसका नाम 'ब्राउनी' रखा है। स्कूल से घर आने पर मेरे आगे-पीछे घूमता रहता है और मेरे पैरों के पास बैठा रहता है। मैं या मेरे पापा उसे सुबह-शाम घुमाने ले जाते हैं। उसे नहाने में मज़ा आता है। शांत स्वभाव का होने के कारण किसी को तंग नहीं करता।
2. स्वयं करेंगे।

पाठ - 7

मौखिक

(क) गंगा वंश के राजा नृसिंह देव ने इसका निर्माण करवाया था।
(ख) सूर्य देवता का
(ग) बारह पहिये हैं और ये बारह महीनों के प्रतीक हैं।
(घ) 1984 में

लिखित

(क) जहाँ सूर्य देवता की मूर्ति हैं वहाँ सूर्य किरण सबसे पहले पहुँचती है।
(ख) 1238-1264 में गंगावंश के राजा नृसिंह देव ने इसका निर्माण करवाया।
(ग) देवी-देवताओं की आकृतियाँ, कहीं शिकार व युद्ध के चित्र, मुख्य द्वार पर 2000 हाथियों की आकृतियाँ बनाई गई हैं।
(घ) कोणार्क दो शब्दों से मिलकर बना है- कोण और अर्क। कोण का अर्थ है- कोना और अर्क का अर्थ है सूर्य। अर्थात् कोणार्क का अर्थ हुआ - सूर्य का कोना।
(ङ) इसका कारण इसकी बनावट व वास्तुदोष मानते हैं। परन्तु सच्चाई यह है कि विदेशी हमलावरों ने इसे नुकसान पहुँचाया। यह मंदिर बंगाल की खाड़ी के पास हैं समुद्र में नमक होने के कारण भी इस मंदिर को नुकसान हुआ है।

2. (क) बारह (ख) काले ग्रेनाइट (ग) 1984 (घ) भारत
(ङ) नक्काशी

3. (क) (iii) यूनेस्को (ख) (ii) 1200 (ग) (i) 12 (घ) (ii) सूर्य

पाठ से आगे...

लोगों को जागरूक करने के लिए पोस्टर पर 'स्लोगन' लिखकर वहाँ लगा सकते हैं। समय-समय पर छोटी-छोटी नाटिकाओं को दिखाकर भी लोगों को जागरूक किया जा सकता है। संस्थाओं द्वारा ग्रुप बनाकर भी रखवाली करने का प्रयत्न किया जा सकता है।

भाषा और व्याकरण

1. (ख) अंधकार (ग) दिन (घ) अनर्थ (ङ) निराधार
(च) पास (छ) विध्वंस (ज) पाताल

2. (क) देवालय, देवगृह (ख) ताल, सरोवर
(ग) जल, नीर (घ) पुष्प, कुसुम (ङ) भूधर, गिरि (च) खग, विहग
3. (क) किया। (ख) चले जाते है। (ग) गए। (घ) होती है।
(ङ) है।

आओ कुछ करें

1. स्वयं करेंगे।
2. (क) इंटरनेशनल फंड फॉर एग्रीकल्चर(आई.एफ.ए.)
(ख) अंतर्राष्ट्रीय टेली कॉम्यूनिकेशन संघ (आई.टी.यू.)
(ग) विश्व स्वास्थ्य संगठन
(घ) अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (ङ) विश्व व्यापार संगठन
(च) नॉर्थ अटलांटिक टेरारिस्ट ऑरगेनाइज़ेशन (नाटो)

पाठ-8

मौखिक

(क) मोतीलाल नेहरू ने जवाहर लाल नेहरू को लिखा था।
(ख) मोतीलाल नेहरू
(ग) फोन, मोबाइलन के आ जाने से उस पर तुरंत बातचीत हो जाती है।

लिखित

(क) अपने साथ रखकर शिक्षा न दिलवाने की।
(ख) जब मोतीलाल जी यूरोप में बेटे जवाहर से बिछुड़ रहे थे।
(ग) उन्होनें कहा-मैंने नेहरू परिवार की नींव रखी है और तुम इस नींव पर आकाश से बाते करने वाली शानदार इमारत खड़ी करोगे। हम तुम से शरीर रूप में दूर जा रहे हैं पर भावनात्मक रूप से तुम्हारे साथ हैं।
(घ) तुम स्वयं का ध्यान रखोगे तो एक तरह से माता-पिता का ध्यान रखोगे।
(ङ) अंत में पिता ने पुत्र को तन-मन से स्वस्थ रहने को कहा।

2. (क) भलाई (ख) शरीर (ग) प्यार (घ) काम
3. (क) (iii) उदास (ख) (ii) शिक्षा न दिलाना (ग) (i) बेटे की भलाई के लिए

पाठ से आगे...

1. अभी मैं बहुत छोटी हूँ। मैंने अभी किसी को पत्र नहीं लिखा। मम्मी बताती हैं जब वह छात्रावास में पढ़ती थी तो मेरे नाना जी भी उन्हें पत्र लिखकर बहुत सी बातें समझाया करते थे।
2. माता-पिता से दूर रहना मुझे बिलकुल अच्छा नहीं लगता उनका प्यार, उनकी मेरे प्रति चिंता मुझे उनसे दूर रहने पर उनकी याद दिलाती है। इसलिए मैं उनसे दूर नहीं रह पाँऊगी।

भाषा और व्याकरण

1. (क) अब मैं अलविदा कहूँगा। (ख) वे पढ़ रहे हैं।
(ग) बच्चा सो रहा है। (घ) सदा सत्य बोलो

(ङ) तुम्हारे लिए धन जुटाना कोई समस्या नहीं है।

2. (क) बुरा (ख) पुण्य (ग) सुख (घ) ज्यादा
   (ङ) घृणा (च) निर्धन

3. (क) चिट्ठी, खत (ग) जगत, भव (ख) पुत्र, तनय (घ) किताब, पोथी
   (ङ) विद्या, पढ़ाई (च) मनोहर, खूबसूरत

आओ कुछ करें

पता .....

.....

.....

पूज्य पिता जी,

सादर प्रणाम।

मैं यहाँ ठीक हूँ आशा करता हूँ घर में सभी ठीक होंगे। आप मुझे छोड़ कर गए थे तब कुछ दिन मैं उदास रहा पर धीरे-धीरे अपने पढ़ाई में व्यस्त हो गया। समय पर उठना, स्कूल जाना, खाना खाना रोज़ मर्रा का काम सा बन गया। अकेला रहकर मैं आत्म-निर्भर बना हूँ। मैं खुश हूँ अपने स्वास्थ्य का पूरा ध्यान रखता हूँ। घर में सभी को प्रणाम कहना।

आपका पुत्र,

जवाहर लाल

पाठ 9

मौखिक

(क) गतिमान होने को कहती है।

(ख) धैर्यशील होकर महान बनने की बात करता है।

(ग) सूर्य (घ) हरियाली फैलाओ। (ङ) धरती को जगमगा दो।

लिखित

(क) सदा काम करते हुए आगे बढ़ते जाना।

(ख) अपने परिश्रम से अच्छे व विभिन्न कार्यों से सजा सकते हैं।

(ग) काम करते हुए अपना पसीना बहाकर स्वर्ग बना सकते हैं।

(घ) हम परिश्रम करके धरती को न केवल सुंदर बनाएँगे अपितु सुख-साधनों से युक्त भी बना सकते है।

(ङ) धैर्यवान होकर ही महान बना जा सकता है। प्रत्येक कार्य को सूझ-बूझ से करके मानवता की भलाई की जा सकती है।

2. स्वयं करेंगे।

3. (क) पौधे कहते इस दुनिया में हरियाली सरसाना है।
   (ख) अपने काम के फल-फूलों से
   भूतल खूब सजाना है।
   (ग) हम भी पीछे रहे न इसमें
   धरती स्वर्ग बना देंगे।

4. (क) (ii) स्वर्ग (ख) (ii) धीरज रखने वाला

(ग) (ii) ज़मीन (घ) (iii) उजाला करना

कविता से आगे...

1. (क) हम साँस ले पाते हैं, क्योंकि ऑक्सीज़न प्राप्त कराती है।
   (ख) खेती करता है, भोजन उपजाता है।
   (ग) विद्या प्रदान करते है व समाज को सभ्य नागरिक देते है।
   (घ) हमें जीवन देकर हमारी देखभाल करती है।
2. साफ़-सफ़ाई रख सकते हैं। सहयोग की भावना सीख सकते हैं। खेलों के द्वारा शरीर मज़बूत बना सकते हैं। एक दूसरे की सहायता करना सीखते हैं।

भाषा और व्याकरण

1. (क) (ii) रवि, दिनकर (ख) (v) झरना, प्राप्त
   (ग) (i) नदी, तटिनी (घ) (iii) पवन, हवा
   (ङ) (iv) पृथ्वी, वसुधा
2. (ख) म् + औ + स् + अ + म् + अ (ग) स् + ऊ + र् + अ + ज् + अ
   (घ) स् + व् + ए + द् + अ (ङ) ब् + आ + द् + अ + ल् + अ
3. (क) सूरज की किरणों में सात रंग होते हैं।
   (ख) भारत की धरती पर अनेक महापुरूषों ने जन्म लिया।
   (ग) बाग में चारों तरफ हरियाली है।
   (घ) ताजमहल चाँद की रोशनी में जगमगा उठता है।
   (ङ) मिलजुल कर रहने से ये धरती स्वर्ग के समान सुंदर बन जाती है।

आओ कुछ करें

1. स्वयं करेंगे।
2. नदी, झरना, वर्षा

पाठ 10

मौखिक

(क) बौर आना (ख) दादा जी के साथ रहना (ग) तोते, कोयल, मैना
(घ) कार्बन डॉय ऑक्साइड लेते हैं और ऑक्सीजन देते हैं।
(ङ) कु-हू - कु-हू

लिखित

(क) हमें ठण्डी छाया के साथ-साथ फल-फूल व ऑक्सीजन देते हैं।
(ख) पेड़ वातावरण से ज़हरीली गैस कार्बन डाइऑक्साइड लेते हैं और हमें साफ़ हवा ऑक्सीजन देते है। ऑक्सीजन न हो तो हम साँस नहीं ले सकते, जिंदा नहीं रह सकते।
(ग) आम के पेड़ पर जब फल लगते, बाहर से बच्चे पत्थर मारकर आम तोड़ने की कोशिश करते थे। यही उनकी परेशानी थी।
(घ) पिताजी ने पेड़ न कटवाने का निर्णय ले लिया था। कोयल ने गीत गाया।
(ङ) पिताजी, इसे मत कटवाओं! यह पेड़ हमारे दोस्त है। सारी जहरीली गैस लेकर

हमें साफ़ हवा देता हैं। ठंडी छाया और मीठे फल देता है। बदले में हमसे कुछ नहीं लेता।

2. **किसने** **किससे**
   (क) रवि ने माता-पिता से
   (ख) माँ ने रवि से
   (ग) दादाजी ने रवि से
   (घ) माँ ने रवि से
   (ङ) दादा जी ने रवि से

3. (क) (i) बंदनवार (ख) (iii) सुरीली (ग) (i) आम का
   (घ) (ii) जहरीली (ङ) (i) दूध (च) (ii) दादा

पाठ से आगे...

1. मैं भी रवि की तरह पेड़ को कटने न देता क्योंकि सुबह-सुबह पक्षियों का कलरव सुनना व शाम को पेड़ के नीचे खेलना मुझे अच्छा लगता है।
2. इस कारण सारे संसार में प्रदूषण बढ़ जाएगा, जिस कारण बीमारियाँ बढ़ेगी। हम सभी को प्रकृति को बचाने हेतु जागरुक होना चाहिए और पेड़ो के लाभ बताते हुए छोटे-छोटे स्लोगन लिखकर लोगो को जागरुक करना चाहिए।

भाषा और व्याकरण

1. (क) वृक्ष (ख) पक्षी (ग) प्रसन्न (घ) प्रयत्न
   (ङ) सवेरा (च) सहायता (छ) अनिल (ज) जल
2. (क) गाने (ख) किया (ग) लेने (घ) चले (ङ) लगाया
3. (क) सोहेल, नीम, मैना (ख) पौधा, पक्षी, ज़हर (ग) प्यास, ऊँचाई

आओ कुछ करें

1. और 2. स्वयं करेंगे।
3. आम का पेड़
   आम पीले रंग का रसीला फल है।
   आम का पेड़ घना व हरा-भरा है।
   इसका तना मोटा व मजबूत होता है।
   आम की पत्तियाँ बदनवार बनाने के काम आती है।
   मुझे मीठे-मीठे आम खाना पसंद हैं।
   आमों पर बौर आने से इस पेड़ की सुंदरता और भी बढ़ जाती है।

पाठ 11

मौखिक

(क) पाईबाग का (ख) सिपाही (ग) दिल में (घ) दरोगा

लिखित

(क) कपड़े-लत्ते व बर्तन-भाँड़े बँधे थे। (ख) थाने गया था।
(ग) दरोगा के साथ सिपाही नं.1 और 2 गए थे।

(घ) दरोगाजी ने सुलझाई थी।

2. ख - (i)
   क - (ii)
   घ - (iii)
   ङ - (iv)
   ग - (v)

3. (क) (ii) सिपाही (ख) (iii) जुम्मन खाँ के
   (ग) (iii) पाईबाग (घ) (i) घर में

पाठ से आगे...

1. डॉक्टर बढ़ई लुहार धोबी
   सफ़ाई कर्मचारी मोची नर्स नाई

2. • पुलिस को ख़बर करनी चाहिए।
   • चोरी हुए समान की सूची बनानी चाहिए।
   • पुलिस के आने पर जहाँ-जहाँ उनकी आवश्यकता हो सहायता करनी चाहिए।
   • समान की सूची पुलिस को देनी चाहिए।

भाषा और व्याकरण

1. (क) भारतीय क्रिकेट टीम ने पाकिस्तानी क्रिकेट टीम के खेल में छक्के छुड़ा दिए।
   (ख) गोलगप्पों का नाम सुनते ही मेरे मुँह में पानी आ गया।
   (ग) हर बच्चा अपने माता-पिता की आँखों का तारा होता है।
   (घ) ज्यादा तीन-पाँच मत करों जो काम दिया है पहले उसे समाप्त कर लो।

2. (क) कैसी चोरी, कहाँ चोरी? (ख) क्या, दरोगा जी ने तेरी चोरी की?
   (ग) पेट में नहीं, दिल में दर्द है। (घ) अच्छा! बता क्या हुआ?
   (ङ) अरे! यह तो कमाल हो गया।

आओ कुछ करें

1. क. II, ख. III, ग. I

2. सेवा में,
   थानाध्यक्ष,
   मुख्य पुलिस थाना,
   नई दिल्ली।

विषयः साइकिल चोरी की जानकारी देने हेतु पत्र।

महोदय,

मैं कक्षा तीसरी का छात्र हूँ। मेरी साइकिल चोरी हो गई है इसलिए यह पत्र लिख रहा हूँ।

कल स्कूल से आने के पश्चात साइकिल घर के बाहर खड़ी करके मैं अंदर गया। मैंने साइकिल को ताला भी लगाया था। पर खाना खाकर बाहर आया तो वहाँ साइकिल नहीं

थी। मेरी साइकिल लाल रंग की थी जो एटलस कम्पनी की है।
आप से निवेदन है कि जल्द से जल्द साइकिल ढूँढ़ने की कृपा करें। मैं साइकिल के बिना स्कूल जाने में असमर्थ हूँ।
धन्यवाद।
भवदीय,
समीप वासु
..जनवरी, 20..
3. स्वयं करेंगे।

पाठ-12

मौखिक

(क) ग्रेस बीडल अमरीका की रहने वाली थी।
(ख) अब्राहिम लिंकन का (ग) नेता जी दाढ़ी रख लें
(घ) 15 अक्टूबर, 1860 को

लिखित

(क) लिंकन के चित्र को देखकर उस पर पेंसिल से दाढ़ी बना।
(ख) यदि हमारे प्यारे नेता के चेहरे पर दाढ़ी होती तो वे अधिक अच्छे लगते।
(ग) आप बहुत दुबले लगते हैं। मेरा सुझाव है। आप दाढी रख लें। दाढ़ी से आप बहुत अच्छे लगेंगे। तब और अधिक लोग आपको वोट देंगे और आप राष्ट्रपति बन जाएँगे।
(घ) तुरंत ग्रेस के पत्र का उत्तर दिया। (ङ) अब्राहम लिंकन

2. (क) के, ने (ख) ने, को (ग) के, का (घ) की
3. (क) (ii) अमेरिका (ख) (ii) अब्राहम लिंकन को
(ग) (i) डरकर रोने लगी

पाठ से आगे...

1. बहुत अच्छा लगा। कभी-कभी बच्चे भी महत्त्वपूर्ण विषय को भोले-भाले अंदाज में सरल तरीके से समझा देते हैं उनकी बात सामने वाले के दिल को छू जाती है।
2. शायद हम भी मान लेते। जिस कार्य में भलाई हो और जो व्यक्तित्व को निखारने का काम करे उसे मान लेने में समझदारी है।

भाषा और व्याकरण

1. उसने अपने मुझे हमारे वे
2. (क) लेखक (ख) संपादक (ग) कुम्हार (घ) कहानीकार
(ङ) गीतकार
3. (क) वे अमेरिका के राष्ट्रपति लिंकन थे।
(ख) ग्रेस, शाायद तुम ठीक कहती हो। (ग) आज मैंने आपका चित्र देखा।
(घ) उसके माता-पिता को बहुत प्रसन्नता हुई।
(ङ) बहुत समय पहले की बात है।

आओ कुछ करें

1. कक्षा 2. छात्रा 3. विद्यालय 4. अच्छा
5. अध्यापिकाएँ 6. बच्चे 7. मन 8. विद्यालय
9. कमी 10. उचित 11. व्यवस्था 12. शिष्या

पाठ 13

मौखिक

(क) टेढ़ी-मेढ़ी, चक्करदार (ख) गरम-गरम व कुरकुरी
(ग) बेकार (घ) पुष्प को

लिखित

(क) लार टपकने लगती है।
(ख) टेढ़ी-मेढ़ी, रसदार, चक्करदार, फूली-हुई, लच्छेदार, गरम व कुरकुरी
(ग) गरम-गरम अच्छी लगती है। ठंड़ी होने पर उसका स्वाद बिगड़ जाता है।
(घ) पुष्प छोड़कर आती है क्योंकि अधिक मीठी होती है।
(ङ) इसमें चीनी का रस भरा होता है।

2. स्वयं करेंगे। 3. गरम-गरम लच्छेदार कुरकुरी फूली हुई
4. (क) (ii) सीधी (ख) (iii) मधुमक्खी
(ग) (iii) गरम (घ) (ii) लार (ङ) (ii) आठ

कविता से आगे...

1. अधिक मिठाई खाने से हम मोटे हो जाएँगे, हमारे दाँत ख़राब हो जाएँगे तथा हमें 'डायबिटीज़' की बीमारी भी हो सकती है।
2. मीठी होती है, नरम होती है, सस्ती होती है, स्वादिष्ट होने के कारण सभी इसे खाना पसंद करते हैं। अधिक महंगी नहीं होती। इसकी बनावट भी सभी को आकर्षित करती है।

भाषा और व्याकरण

1. (क) अदृश्य (ख) मांसाहारी (ग) अनाथ (घ) अजर
(ङ) अजन्मा (च) अमर
2. (क) बासी (ख) मधुमक्खी (ग) विषय (घ) विद्यालय
(ङ) विचार (च) शुद्ध (छ) मधु (ज) सुमन
3. (क) अगुआ नेता (ख) सरिता तटिनी
(ग) शिक्षक गुरु (घ) खग विहग
(ङ) तरु पेड़ (च) धरा वसुंधरा
(छ) मिष्ठान

आओ कुछ करें

1. जलेबी गुलाब जामुन रसमलाई
रसगुल्ला बरफी पेठे की मिठाई
2. स्वयं करेंगे।

पाठ 14

मौखिक

(क) आलसी (ख) गौरैया (ग) गौरैया ने (घ) तालाब में (ङ) पराग

लिखित

(क) मैं दरजिन पक्षी हूँ अंडा देने के लिए घोंसला बना रही हूँ।

(ख) मुझे बुखार है। मैं खाना नहीं पका सकी।लकड़ी खत्म हो गई है। यदि तुम जंगल जाकर लकड़ी ले आओ तो मैं किसी तरह खाना पका दूँगी।

(ग) रघु ने रसोईघर का कोना-कोना ढूँढा, पर उसे खाने के लिए कुछ भी नहीं मिला।

(घ) रघु कुल्हाड़ी उठाकर जंगल की ओर गया।

2.

	किसने	**किससे**
(क)	रघु ने	गौरैया से
(ख)	गौरेया ने	रघु से
(ग)	दरजिन पक्षी ने	रघु से

3. (क) गौरेया खाना ढूँढ़ने जाती है। वह स्वयं के लिए तथा बच्चों के लिए खाना लाती है।

(ख) पेड़ के तने में छोटे-छोटे कीड़े होते हैं, मैं उन्हें ढूँढ़कर खाता हूँ।

(ग) मेरे तलवार जैसी लंबी चोंच है।
मैं तालाब से मछलियाँ पकड़कर खाता हूँ।

(घ) गाने वाले पक्षी फूलों से उनका पराग पीकर मधुर गीत गाते हैं।

पाठ से आगे...

1. गौरैया के बच्चे मर जाते। यह अच्छा नहीं होता। संसार में सभी जीवों को जीने का अधिकार है।
2. परिश्रम करने का। हमें भी इस पाठ से यही शिक्षा मिलती है कि प्रत्येक कार्य को अपने परिश्रम व सूझ-बूझ से पूरा करना चाहिए।

भाषा और व्याकरण

1. ताप काल बल कल वार
2. (क) बना रही थी। (ख) कर रहा था।
   (ग) पकड़ रहा था। (घ) आएगी।
3. (क) उसने (ख) मैं (ग) मुझे (घ) कौन (ङ) उसे, कुछ

आओ कुछ करें

1. गौरैया तोता वक चिड़िया 2. स्वयं करेंगे।

पाठ 15

मौखिक

(क) काला (ख) शीतल (ग) रिम-झिम रिम-झिम

लिखित

(क) शीतल व मीठी है।

(ख) फूलों का मुँह धोती हैं, पेड़ों को हरियाली प्रदान करती हैं, इसी कारण

धरती पर खुशियाँ छा जाती हैं।

(ग) बादल के पंखों पर बैठकर रिम-झिम करते हुए धरती पर उतरती हैं।

(घ) हरियाली प्रदान करती हैं।

2. स्वयं करेंगे।

3. (क) (i) नन्हीं-नन्हीं (ख) (ii) बादल के
(ग) (iii) बूँदें (घ) (ii) बूँदें

कविता से आगे...

छम-छम करती आती वर्षा
धरती की प्यास बुझाती वर्षा
बच्चे नाव चलाते जाएँ
खुशी के गीत गाते जाएँ।

भाषा और व्याकरण

1. (क) घूमकर (ख) जाती (ग) भरती
(घ) घड़ियाली (ङ) कल (च) मिस, उस

2. (क) नन्ही (ख) जल (ग) शीतल
(घ) जीवन (ङ) आसमान (च) सागर

3. शीतल नन्ही छोटी
काला हरियाली मीठा

आओ कुछ करें

स्वयं करेंगे।

आदर्श प्रश्न पत्र-1

1. (क) (iii) प्रभु की (ख) (iii) महारानी ने (ग) (iii) हवा
(घ) (i) साइमन ब्रेल (ङ) (ii) गुन-गुन करके

2. (क) परमात्मा (ख) नभ (ग) धरा (घ) जल

3. (क) गंगा तट पर मेला लगा था। (ख) बगीचे में बड़ी चहल-पहल थी।
(ग) रेखा आज विद्यालय नहीं आएगी।
(घ) मैंने पत्र लिखा।
(ङ) कल सारे देश में गणतंत्र दिवस मनाया जाएगा।

4. (क) अम्बर (ख) गीले (ग) बड़े (घ) असुंदर

5. प्रभु मेरा हो जीवन सुंदर
घर का कोना-कोना सुंदर
वाणी सुंदर गाना सुंदर

6. (क) निपुण (ख) बारह (ग) नक्काशी

7. (क) कौन-सी रानी सबसे प्रिय है? (ख) वह सूख जाता है।
(ग) आँख धोकर पट्टी बाँध दी।
(घ) रवि ने माजिद को अस्पताल ले जाने की सलाह दी।

(ङ) तुरंत टिटनस का टीका लगवाएँ। इससे भी पहले घाव को अच्छे से धोकर साफ करें। रेबीज़ से बचने के लिए कुत्ते के काटने पर लगाए जाने वाले टीके लगवाएँ।

आदर्श प्रश्न पत्र-2

1. (क) (iii) उजाला करना (ख) (i) दूध
   (ग) (ii) सिपाही (घ) (ii) अमेरिका
   (ङ) (ii) सीधी
2. (क) म् + औ + स् + अ + म् + अ (ख) स् + ऊ + र् + अ + ज् + अ
   (ग) स् + व् + ए + द् + अ (घ) ब् + आ + द् + अ + ल् + अ
3. (क) वृक्ष (ख) खग (ग) प्रसन्न (घ) प्रयत्न
4. (क) कैसी चोरी, कहाँ चोरी? (ख) क्या, दरोगा जी ने तेरी चोरी की?
   (ग) पेट में नहीं, दिल में दर्द है। (घ) अच्छा, बता हुआ क्या?
   (ङ) अरे! यह तो कमाल हो गया।
5. (क) लेखक (ख) संपादक (ग) कुम्हार (घ) कहानीकार
6.

	किसने	**किससे**
(क)	रवि ने	माता-पिता से
(ख)	माँ ने	रवि से
(ग)	दादाजी ने	रवि से
(घ)	माँ ने	रवि से

7. (क) पुलिस थाने गया था। (ख) नेता जी ने पत्र का उत्तर दिया।
   (ग) पुष्प छोड़कर आती है। (घ) रघु ने परिश्रम करने का निश्चय किया।

मधुर हिंदी

Interactive Resources

- Download the free app 'Green Book House' from google play.
- Free online support available on 'www.greenbookhouse.com'.
- Ample teacher's support available.

GREEN BOOK HOUSE
(EDUCATIONAL PUBLISHER)
F-214, Laxmi Nagar, Mangal Bazar, Delhi-110092
Phone : 9354766041, 9354445227
E-mail : greenbookhouse214@gmail.com
Website: www.greenbookhouse.com